मूल्य / धर्मार्थ : 1 पैसा
(केवल बहाईयों में वितरण हेतु)

बहाई समाचारपत्र

वर्ष : 53 अंक 1 प्रकाशन : प्रत्येक माह की 8 तारीख
जनवरी 2017 बहाई वर्ष : 173

विश्व न्याय मन्दिर

किसी समुदाय–समूह में कार्यकलापों का स्तर चाहे जो भी हो, एक सामान्य रूपरेखा के अंतर्गत स्थानीय मित्रों में व्याप्त सीखने की क्षमता ही वह कारण है जो विकास के पथ पर उनकी प्रगति की रफ़्तार को प्रेरित करती है। इस महान कार्य में हर किसी की अपनी भूमिका है; एक–एक के योगदान से सम्पूर्ण इकाई की समृद्धि होती है।

–रिज़वान 2014

चिली के बहाईयों की राष्ट्रीय आध्यात्मिक सभा

23 दिसम्बर, 2016

भारत के बहाईयों की राष्ट्रीय आध्यात्मिक सभा

प्रिय बहाई मित्रों,

दक्षिण अमेरिका के उपासना गृह के समर्पण के, ऐतिहासिक उत्सव के दो माह से अधिक बीत गये, और इस बेजोड़ घटना को याद कर हमारे हृदय प्रफुल्लित हो उठते हैं। इस शानदार भवन को ईश्वर की उपासना के लिये समर्पित करने के लिए उत्सव को मनाने के लिये तथा सम्मेलन में भाग लेने के लिए विश्व के विभिन्न कोनों से लगभग पाँच हजार लोग एकत्रित हुए थे, जिसने हमें हमारे महाद्वीप में प्रभुधर्म के प्रारम्भ से वर्तमान तक पहुँचा दिया। तब, ये लोग एन्डिस पर्वतों की तलहटी में कदम–ताल करते हुए 'मशरिकुल–अज़कार' में ''कांति व आनन्द के साथ'' वहाँ ''ईश्वर की स्तुति का उत्सव मनाने'' के लिये, पहुँचे।



मन्दिर के समर्पण के दौरान एकत्रित हजारों लोगों की विनती तथा मित्र जो लगातार इस पावन स्थल पर प्रार्थना कर रहे हैं उनमें, विमुक्त आध्यात्मिक शक्तियों के कारण सेन्टियगो शहर पर उल्लेखनीय प्रभाव पड़ा है। जैसाकि ''आशीर्वादित सौंदर्य' द्वारा परिकल्पित किया गया था, 'उपासना गृह' में आगन्तुकों के लगातार प्रवाह द्वारा उन्हें अब एक शांति व प्रार्थना का स्थल प्राप्त हो रहा है। जनता के लिये 'उपासना गृह' को खोले जाने से अभी तक 50,000 से अधिक लोगों ने इसके दर्शन किये हैं।

सम्पूर्ण विश्व के समुदाय से प्राप्त विभिन्न सुन्दर तथा प्रेरक संदेशों से हम अत्यधिक प्रेरित हुए हैं और इन महीनों के दौरान लगातार हमने हमारे आध्यात्मिक भाई–बहनों के प्रेम व साथ को महसूस किया है। चिली के बहाईयों की राष्ट्रीय आध्यात्मिक सभा आपकी 'सभा' तथा आपके समुदाय के सभी अनुयायियों को, प्रेमपूर्ण शब्द व सहयोग, जो 'समर्पण' के अवसर पर प्राप्त हुए उसके लिये, अपना प्रेमपूर्ण स्नेह तथा गहन आभार अभिव्यक्त करना चाहेगी।

हम आपसे प्रार्थनाओं का अनुरोध करते हैं ताकि, 'सर्वशक्तिशाली' के जीवनदायी जल की अपेक्षा से 'उपासना गृह' में आने वाले सभी लोगों को हम प्रत्युत्तर दे सकें। कृपया सभी मित्रों तक हमारा हार्दिक अभिनन्दन पहुँचायें और हमारे प्रिय प्रभुधर्म के लिये किये जाने वाले आपके सभी प्रयासों की सफलता के लिए हम प्रार्थना करते हैं।

शुभकामनाओं के साथ

–चिली के बहाईयों की राष्ट्रीय आध्यात्मिक सभा

इस अंक में

देशभर में बाब और बहाउल्लाह के द्वि–शताब्दी जन्मोत्सव की धूम

पिछले अंक से आगे.......

• **उत्तर प्रदेश** : उत्तर प्रदेश में आयोजित बाब और बहाउल्लाह के युगल जन्मोत्सव का संक्षिप्त विवरण–

बिधूना : बिधूना के समुदायसमूह ने कार्यक्रम का आयोजन मल्हौसी में किया। इस समुदायसमूह के अन्य तीन गाँवों में भी कार्यक्रम आयोजित किये गये। हर स्थान पर करीब सौ की संख्या में लोग आये और बाब और बहाउल्लाह की जीवन–गाथा को बड़ी गम्भीरता के साथ सुना। बिधूना समुदायसमूह के कई परिवारों ने अपने घरों पर पड़ोसियों, रिश्तेदारों और सहकर्मियों को आमंत्रित कर उत्सव मनाया। इस अवसर पर घर के बच्चों ने प्रार्थना और गीत प्रस्तुत किये।

बिल्हौर : बिल्हौर समुदायसमूह की स्थानीय आध्यात्मिक सभा नई है, हाल ही चुनी गई है और पहली बार किसी कार्यक्रम का आयोजन कर रही थी। सबसे पहले उन्होंने खर्चों की व्यवस्था की, दान दिये और महिलाओं ने केक बनाने तथा सजावट करने का जिम्मा लिया। कुछ परिवारों ने मिलकर आमंत्रित अतिथियों के लिये भोजन बनाया और बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम का जिम्मा ले लिया। वहाँ के बहाई मित्रों के लिए यह पहला अनुभव था।

बंथरा : बंथरा में आठ आध्यात्मिक सभा क्षेत्र हैं। इनमें सात आध्यात्मिक सभाओं ने युगल अवतारों के जन्मोत्सव मनाये। ये क्षेत्र हैं – लोनहा, हसनखेड़ा, नीवां, शाहपुर मझिगवां, कुरौनी, असोहा और दहेहटा। बाब और बहाउल्लाह के जन्म के अवसर पर प्रार्थनाओं के अलावा गीत–संगीत, रंगारंग और उनके जीवन और उनके अवतार धारण करने के उद्देश्य की चर्चा हुई, उस दिवस की महानता और सम्पूर्ण मानवजाति के लिये नवजीवन का संदेश। ये कुछ मुख्य विषय थे, जिन पर वार्तायें प्रस्तुत की गईं।

कसमंडा : कसमंडा के बाबरीखेड़ा गांव में मुठ्ठी भर बहाईयों ने युगल अवतारों का जन्मोत्सव मनाने का निश्चय किया, आपस में दान इकठ्ठा किया, गांव के लोग सहायता के लिये आगे आये, किसी ने शामियाना लगवा दिया, किसी ने नाश्ते–पानी की व्यवस्था कर दी। वहाँ चलाई जा रही बहाई बाल कक्षाओं और किशोर दलों के प्रतिभागियों ने नृत्य–गीत प्रस्तुत किये, एक बहाई ने इतिहास की चर्चा की तो दूसरे ने आध्यात्मिक विकास के लिये मूलगतिविधियों के माध्यम से आध्यात्मिक उत्थान पर बल दिया। दिन भर कार्यक्रम चलता रहा और कोई 150 आमंत्रित अतिथि यह महसूस कर पा रहे थे कि उस दिन कुछ विशेष था, वे अधिक प्रसन्न दिखे। कार्यक्रम प्रस्तुत करने वालों का मनोबल बढ़ा और पूरा का पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा। कार्यक्रम की सफलता का एकमात्र कारण बना कुछ बहाई मित्रों का अथक प्रयास और बहाई बाल कक्षा, किशोर दल तथा प्रार्थना सभाओं के नियमित



उत्तरप्रदेश के क्लस्टर में द्वि–शताब्दी जन्मोत्सव मनाते हुए

शेष पृष्ठ 2 पर

प्रतिभागियो की लगन। यह लगन लगाने वाले हैं समुदायसमूह विकास सहयोगी नीरज, जो अधिकांश गतिविधियों की गुणवत्ता पर अपनी नज़र रखते हैं।

गपचरियापुर : गपचरियापुर में तीन अलग–अलग स्थानों पर उत्सव मनाये गये। मुख्य उत्सव बहाई भवन में तथा दो बहाईयों के घरों पर भी जन्मोत्सव की व्यवस्था की गई ताकि अधिक–से–अधिक लोगों को आमंत्रित किया जा सके और लोगों को आने–जाने में लम्बी दूरी नहीं तय करनी पड़े।

कुठौंद : कुठौंद में जन्मोत्सव बहाईयों के घरों में मनाये गये तो सहार समुदायसमूह में 5 आध्यात्मिक सभा क्षेत्रों में कार्यक्रम आयोजित किये गये।

याकूबपुर : याकूबपुर आध्यात्मिक सभा क्षेत्र में आठ गाँव आते हैं। अभी तक प्राप्त सूचना के अनुसार इन आठ गाँवों में 12 स्थानों पर छोटे–छोटे आयोजन किये गये। इन आयोजनों में पड़ोसियों को आमंत्रित किया गया और उत्सव की खुशी के रूप में मिठाई बांटी गईं। लोगों ने मोमबत्तियाँ अपने घरों में जलाईं जिस कारण संदेश देने में सुविधा हुई।

पिपरौली शिव : पिपरौली शिव में भी लोगों ने अपने घरों में जन्मोत्सव मनाये।

झींझक : झींझक में स्थानीय आध्यात्मिक सभा ने कार्यक्रम का आयोजन किया और 2 नवम्बर को एक अन्य गांव में आयोजन किया गया। दोनों स्थानों पर बाब और बहाउल्लाह के अवतरण के महत्व पर वार्तायें प्रस्तुत की गईं और गीत–संगीत का हल्का–फुल्का कार्यक्रम चला।

भरथना : भरथना समुदाय–समूह में दो आध्यात्मिक सभायें हैं। समारोह के कुछ दिन पहले दोनों आध्यात्मिक सभाओं ने एक संयुक्त बैठक में तय किया कि दोनों के बीच पड़ने वाले एक गांव में संयुक्त रूप से जन्मोत्सव का आयोजन किया जाये। ऐसा ही हुआ। एक स्कूल के प्रांगण का चुनाव किया गया। उस दिन स्कूल थोड़ी देर पहले बंद कर दिया गया। कार्यक्रम में अच्छी संख्या में लोगों को आमंत्रित किया गया, लेकिन केवल 75 लोग ही आ पाये। कार्यक्रम में रूही पुस्तक–4 'युगल अवतार' के अंश पढ़े गये, गीत–संगीत भी हुआ।

तिर्वा : तिर्वा में सुबह दस बजे कार्यक्रम शुरू हुआ, जो रात बारह बजे तक चला। अधिकांश समय भजन–कीर्तन होता रहा और गीत के माध्यम से बहाई इतिहास प्रस्तुत किया गया। आस–पास के तीन गांवों से कोई 500 लोग कार्यक्रम में शामिल हुये।

कन्नौज : कन्नौज के बहाईयों ने कार्यक्रम में लड़कियों के शामिल होने की विशेष व्यवस्था की। कुछ युवा अपनी साइकिलों पर लड़कियों को समारोह–स्थल पर ले आये और वापस सुरक्षित घरों तक पहुँचा दिया। यहाँ ढाई किलो का एक केक तैयार किया गया और अवसर विशेष पर उसे काटा गया। कोई 60 लोग कार्यक्रम में शामिल हुये। रात के समय अधिक संख्या में लोग एकत्र हो गये। इस कारण दूसरे दिन सुबह तक कार्यक्रम चला।

लखनऊ : लखनऊ में चार स्थानों पर जन्मोत्सव के कार्यक्रम आयोजित किये गये। सघन विकास केन्द्रों में अलग से कार्यक्रम रखे गये थे। पहले दिन, यानि 31 अक्टूबर की शाम को रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम रखे गये और दूसरे दिन पिकनिक तथा बच्चों और किशोरों के लिये विशेष आयोजन किये गये। कार्यक्रम में गुलिस्तान की साफ़–सफाई को भी महत्व दिया गया। मुख्य कार्यक्रम गोमती नगर स्थित सिटी मांटेसरी स्कूल के सभागार में आयोजित किया गया। युवाओं ने संगीत की प्रस्तुति सम्हाली।

खरगपुर : खरगपुर ने बाल मेला का आयोजन किया, जिसमें कोई 165 लड़के–लड़कियों ने प्रतिभागिता दर्ज़ की। इनमें 50 ऐसे बच्चे थे जो अपने माता–पिता के साथ आये। इस अवसर पर माता–पिता से अपने विचार व्यक्त करने के लिए कहा गया और लगभग सब ने बच्चों में आये परिवर्तन की सराहना की।

केराकत : केराकत की दोनों आध्यात्मिक सभाओं ने जन्मोत्सव पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किये। बच्चों ने गीत–संगीत प्रस्तुत किया, नाटक प्रस्तुत किये और सहयोगी खेल खेले। यहाँ भी अच्छी संख्या में बच्चों के माता–पिता आये। पहली नवम्बर को **नरहन** में और दूसरी नवम्बर को **छितौना** आध्यात्मिक सभा क्षेत्र में कार्यक्रम रखे गये।

लालगंज : लालगंज में भी दो स्थानों पर कार्यक्रम हुये, जबकि **तरवा** में पहली बार किसी ऐसे कार्यक्रम का आयोजन किया गया। दोनों जगहों पर आमंत्रित अतिथियों ने मूलगतिविधियों में शामिल होने की इच्छा व्यक्त की। इसके अलावा, आगरा, फर्रूखाबाद, लोन्हा, हेरदोई, काकोरी, बाराबंकी और इन्द्रवारा में भी समारोह आयोजित किए गए।

• तमिलनाडु : पूरे क्षेत्र में बहाईयों के घरों में 1 और 2 नवम्बर को खुशी का माहौल रहा। अनेक स्थानों पर 31 अक्टूबर की शाम से ही जन्मोत्सव के कार्यक्रम शुरू हो गये। 14 समुदायसमूह के 23 गाँवों में जन्मोत्सव समारोह मनाये जाने की ख़बर मिली। इन समारोहों में 850 लोग आये जिन्हें प्रभुधर्म का संदेश दिया गया। प्रार्थनाओं से कार्यक्रम शुरू किये गये और बाब तथा बहाउल्लाह के जीवन पर प्रकाश डाला गया, पावर प्वायंट प्रस्तुति दी गई, बच्चो और किशोरों ने जो कुछ भी अपनी कक्षाओं में सीखा था उसे प्रस्तुत किया।

सिवाकासी की कामराज कॉलोनी में 650 सम्मानित अतिथि आये। नृत्य और गीत से पूरा वातावरण संगीतमय हो उठा, खेल खेले गये, अनुप्रेरकों, शिक्षकों और सहयोगियों को सम्मान–पत्र प्रदान किये गये।

थुल्लुकुपट्टी–सिवाकासी के थुल्लुकुपट्टी में लोग जाति के आधार पर विभाजित हैं। एक जाति के लोग दूसरी जाति के घरों में नहीं आते–जाते। वहाँ के कार्यक्रम ने एक अवसर दिया कि सभी जाति के लोग एक स्थान पर आयें और प्रसन्नता से एक–दूसरे से मिलें।

भूलीपट्टी–विरूधुनगर के भूलीपट्टी ग्राम में दो दिनों तक कार्यक्रम चलते रहे। भक्तिपरक कार्यक्रम बहाई बाल कक्षा के बच्चे–बच्चियों द्वारा प्रस्तुत किये गये। उनके परिवार के लोग आये। उन्हें अपने बच्चों को मंच पर देखकर प्रसन्नता हुई। यहाँ के आयोजन की विशेषता यह थी कि ईसाई पृष्ठभूमि के बहाईयों ने बड़े धीर–गम्भीर शब्दों में ईसा मसीह की भविष्यवाणी की चर्चा की और ईसा के बहाउल्लाह के रूप में अवतरित होने की बात की, जिससे उपस्थित जनसमुदाय को आश्चर्यचकित कर देने वाला समाचार मिला।

ऊटी में कोई 200 लोग आये। क्षेत्र के अवकाश प्राप्त जिलाधिकारी और अन्य गणमान्य लोग यहाँ के समारोह की प्रशंसा करते नज़र आये। बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये और उपस्थित लोगों को प्रभुधर्म का संदेश दिया गया।

पुडुचेरी के बाबूर समुदायसमूह के कन्नीकोयल गाँव में दीप जलाकर कार्यक्रम की शुरूआत की गई। प्रार्थनाओं के बाद बाब और बहाउल्लाह के इस युग में अवतार धारण करने के महत्व पर प्रकाश डाला गया। कुछ मित्रों ने उस गाँव में चलाई जा रही कोई 130 मूलगतिविधियों के सम्बन्ध में जानकारी दी और उपस्थित श्रोताओं की तालियों ने उनकी प्रशंसा की। किशोर दल के सदस्यों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये। उस राह से गुज़र रहे लोगों की भीड़ जम गई और उन्होंने पहली बार युगल अवतारों के विषय में जानकर प्रसन्नता व्यक्त की।



सिवाकासी की कामराज कॉलोनी में आयोजित समारोह में भाग लेने वाले प्रतिभागी

कांचीपुरम समुदायसमूह के थिरूकलमेन्डू ग्राम में समारोह 31 अक्टूबर और 1 नवम्बर को मनाया गया। प्रार्थनाओं के बाद चार मुख्य बिन्दुओं पर प्रकाश डाला गया – बाब और बहाउल्लाह के जीवन की प्रमुख घटनाओं का चित्रण, पावन लेखों के कुछ अंशों का पाठ, बहाई कौन है पर चर्चा और बहाई क्या करते हैं तथा वे वर्तमान में किन–किन गतिविधियों का संचालन कर रहे हैं।

पड़ोसी समुदाय सदावरम् में 1 और 2 नवम्बर को कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसका मुख्य आकर्षण थी जनसभा। विभिन्न गतिविधियों के प्रतिभागियों के माता–पिता इस अवसर पर मौजूद थे।

चेन्नई ने तीन पड़ोसी

शेष पृष्ठ 4 पर

26 नवम्बर 2016 से 2021 तक के लिए नियुक्त सहायक मण्डल सदस्यगण

बी. राजा नगेन्द्र	प्रचार	आंध्रप्रदेश एवं तेलंगाना
एन. शांतिमूर्ति नायडू	प्रचार	आंध्रप्रदेश एवं तेलंगाना
एस. कल्याणी	संरक्षण	आंध्रप्रदेश एवं तेलंगाना
धनस्वरंग बासुमती	प्रचार	असम, अरुणाचल प्रदेश, मेघालय एवं नगालैंड
सुनीता राय	संरक्षण	असम, अरुणाचल प्रदेश, मेघालय एवं नगालैंड
चिनमोय मजुमदार	प्रचार	असम, अरुणाचल प्रदेश, मेघालय एवं नगालैंड
जितपाल कलिता	संरक्षण	असम, अरुणाचल प्रदेश, मेघालय एवं नगालैंड
अभिनन्दन शर्मा	संरक्षण	बिहार
बलराम सिंह	प्रचार	बिहार
नन्दन कुमार	प्रचार	बिहार
राहुल कुमार	प्रचार	बिहार
रजनीश सिंह	संरक्षण	बिहार
अनुभा श्रेष्ठा	प्रचार	बिहार
शेलेन्द्र प्रताप सिंह	संरक्षण	बिहार
खेमलाल ठाकुर	संरक्षण	छत्तीसगढ़
भीमसेन साहू	प्रचार	छत्तीसगढ़
मन्ना शर्मा	संरक्षण	छत्तीसगढ़
सुमित्रा अहीरे	प्रचार	गुजरात
रतिलाल गावित	संरक्षण	गुजरात
जितेन्द्र बागुल	प्रचार	गुजरात
सुमन सेन	प्रचार	झारखण्ड
उमा दलाई	संरक्षण	झारखण्ड
अचम्मा सुधाकरण	प्रचार	कर्नाटक
अमिता यगानगी	संरक्षण	कर्नाटक
एच. एन. चन्द्रशेखर	प्रचार	कर्नाटक
शीला अशोक	संरक्षण	कर्नाटक
ओ. हरेन्द्रन	संरक्षण	केरल
एम. ए. घनबरी	संरक्षण	केरल
मदाथिंकल बास्करन जयर्थी	प्रचार	केरल
शिजू वलियापुरा गोपलकृष्णन	प्रचार	केरल
पूरनचन्द पांडेय	प्रचार	मध्यप्रदेश
आशा मोरे	संरक्षण	मध्यप्रदेश
समा कशानी	प्रचार	मध्यप्रदेश
जयदीप महालती	संरक्षण	मध्यप्रदेश
दिनेश कुशवाह	प्रचार	मध्यप्रदेश
हरीश शर्मा	संरक्षण	मध्यप्रदेश
दीपक पवार	प्रचार	महाराष्ट्र एवं गोवा
अफसाने मोतीवाला	संरक्षण	महाराष्ट्र एवं गोवा
किशोर पथारे	संरक्षण	महाराष्ट्र एवं गोवा
दिनेश पगारे	प्रचार	महाराष्ट्र एवं गोवा
हबीबे जवानमर्दी	संरक्षण	महाराष्ट्र एवं गोवा
कबीर इन्द्रौरवाला	प्रचार	महाराष्ट्र एवं गोवा
भैयासाहेब शिखरे	संरक्षण	महाराष्ट्र एवं गोवा
परवाने जवानमर्दी	संरक्षण	महाराष्ट्र एवं गोवा
सुनीती जवानमर्दी	प्रचार	महाराष्ट्र एवं गोवा
वेलेंटिना सोहेली	प्रचार	महाराष्ट्र एवं गोवा
परिमल महातो	संरक्षण	महाराष्ट्र एवं गोवा
नूरी सोइबम देवी	संरक्षण	मणिपुर एवं मिजोरम
कोइजाम तोम्बा	प्रचार	मणिपुर एवं मिजोरम
सुनीता थौंगराम	संरक्षण	मणिपुर एवं मिजोरम
रवि चन्द्र	प्रचार	मणिपुर एवं मिजोरम
संतोष कुमार रक्सा	संरक्षण	ओड़िषा
अनंगा पटेल	प्रचार	ओड़िषा
शंकर माझी	प्रचार	ओड़िषा
मानस्विनी नायक	संरक्षण	ओड़िषा
कबिन्द्रनाथ नायक	संरक्षण	ओड़िषा
हिमांशु राजन सेठी	प्रचार	ओड़िषा
नन्दकिशोर	संरक्षण	पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश एवं जम्मू–कश्मीर
त्रिशा अध्या	संरक्षण	पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश एवं जम्मू–कश्मीर
सागर सूद	प्रचार	पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश एवं जम्मू–कश्मीर
रोहित	प्रचार	पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश एवं जम्मू–कश्मीर
राजेश मीणा	संरक्षण	राजस्थान
निशा कुमावत	प्रचार	राजस्थान
देवी कला लामा	संरक्षण	सिक्किम एवं दार्जिलिंग
अर्जुन छेत्री	संरक्षण	सिक्किम एवं दार्जिलिंग
आइतू शेर्पा	प्रचार	सिक्किम एवं दार्जिलिंग
सृजना सुब्बा	प्रचार	सिक्किम एवं दार्जिलिंग
सदीप बिश्वकर्मा	संरक्षण	सिक्किम एवं दार्जिलिंग
सृजना लामा	प्रचार	सिक्किम एवं दार्जिलिंग
वेंकेटेशन पोन्नुसामी	संरक्षण	तमिलनाडु एवं पुदुचेरी
अनबरासन मोहनबाबू	प्रचार	तमिलनाडु एवं पुदुचेरी
भावना चौरसिया	प्रचार	तमिलनाडु एवं पुदुचेरी
कस्तूरीबाई नारायणसामी	संरक्षण	तमिलनाडु एवं पुदुचेरी
इन्द्रा विनोथ कुमार	प्रचार	तमिलनाडु एवं पुदुचेरी
कन्नन राजगोपाल	संरक्षण	तमिलनाडु एवं पुदुचेरी
बेहरूज़ अख्तरखावेरी	संरक्षण	तमिलनाडु एवं पुदुचेरी
सुन्दरमूर्थी जसुदास	प्रचार	तमिलनाडु एवं पुदुचेरी
कस्तूरी पी. जयाकुमार	संरक्षण	तमिलनाडु एवं पुदुचेरी
राजकुमार कृष्णन	प्रचार	तमिलनाडु एवं पुदुचेरी
अगरानी सेन	प्रचार	त्रिपुरा
राजीब शील	प्रचार	त्रिपुरा
दिलीप दास	संरक्षण	त्रिपुरा
उत्तम दास	संरक्षण	त्रिपुरा
रफीक मोहम्मद	संरक्षण	उत्तरप्रदेश, उत्तराखण्ड एवं दिल्ली
रामपाल	संरक्षण	उत्तरप्रदेश, उत्तराखण्ड एवं दिल्ली
दीपक कुमार	प्रचार	उत्तरप्रदेश, उत्तराखण्ड एवं दिल्ली
रणधीर कुमार	प्रचार	उत्तरप्रदेश, उत्तराखण्ड एवं दिल्ली
पूजा राजपूत	प्रचार	उत्तरप्रदेश, उत्तराखण्ड एवं दिल्ली
विनोद कुमार यादव	संरक्षण	उत्तरप्रदेश, उत्तराखण्ड एवं दिल्ली
घनश्याम सिंह राजपूत	प्रचार	उत्तरप्रदेश, उत्तराखण्ड एवं दिल्ली
चन्द किशोर	प्रचार	उत्तरप्रदेश, उत्तराखण्ड एवं दिल्ली
मनोज कुमार	प्रचार	उत्तरप्रदेश, उत्तराखण्ड एवं दिल्ली
दिनेश कुमार	प्रचार	उत्तरप्रदेश, उत्तराखण्ड एवं दिल्ली
सरोज कुमार	संरक्षण	उत्तरप्रदेश, उत्तराखण्ड एवं दिल्ली
अरविंद पाल	प्रचार	उत्तरप्रदेश, उत्तराखण्ड एवं दिल्ली
शिल्पी गुप्ता	संरक्षण	उत्तरप्रदेश, उत्तराखण्ड एवं दिल्ली
सोनी वर्मा	प्रचार	उत्तरप्रदेश, उत्तराखण्ड एवं दिल्ली
सुचित सिंह	संरक्षण	उत्तरप्रदेश, उत्तराखण्ड एवं दिल्ली
धर्मेन्द्र कुमार	प्रचार	उत्तरप्रदेश, उत्तराखण्ड एवं दिल्ली
हामिद मोहाजर	संरक्षण	उत्तरप्रदेश, उत्तराखण्ड एवं दिल्ली
संतोष कुमार	संरक्षण	उत्तरप्रदेश, उत्तराखण्ड एवं दिल्ली
तबरेज आलम	प्रचार	उत्तरप्रदेश, उत्तराखण्ड एवं दिल्ली
विवियन मर्चेंट	संरक्षण	उत्तरप्रदेश, उत्तराखण्ड एवं दिल्ली
प्रकाश	प्रचार	उत्तरप्रदेश, उत्तराखण्ड एवं दिल्ली
सिम्मिन हेम्मती	संरक्षण	पश्चिम बंगाल
श्यामल महातो	संरक्षण	पश्चिम बंगाल
शिवचिक बराई	प्रचार	पश्चिम बंगाल
सुजीता आलम	प्रचार	पश्चिम बंगाल
जयंत कुमार	प्रचार	पश्चिम बंगाल
सुनील कुमार महातो	संरक्षण	पश्चिम बंगाल

सेवामुक्त सहायक मण्डल सदस्यगण

वासंथी गोपीनाथ	आंध्रप्रदेश एवं तेलंगाना
मालेश रेड्डी	आंध्रप्रदेश एवं तेलंगाना
छबि नायक	असम, अरुणाचल प्रदेश, मेघालय एवं नगालैंड
धरम सिंह राय	असम, अरुणाचल प्रदेश, मेघालय एवं नगालैंड
भास्कर ज्योति डेका	असम, अरुणाचल प्रदेश, मेघालय एवं नगालैंड
रोहित तिवारी	बिहार
ओमप्रकाश चौधरी	बिहार
शिव शंकर निराला	बिहार
शिव कुमार साहू	छत्तीसगढ़
दिगेश्वर साहू	छत्तीसगढ़
राकेश सूरी	छत्तीसगढ़
दिनेश राव	कर्नाटक
सी. एस. माला	कर्नाटक
पी. के. बाबू	केरल
के. शोभा	केरल
उदय कोइलेरियन	केरल
सुनिर्मल महातो	मध्यप्रदेश
सुमन मोरे	मध्यप्रदेश
पातीराम नरवारिया	मध्यप्रदेश
वर्गा मोग्बेलपुर	महाराष्ट्र एवं गोवा
जीवन पगारे	महाराष्ट्र एवं गोवा
बिनोय भूशोन	मणिपुर एवं मिजोरम
चनचन लक्ष्मी	मणिपुर एवं मिजोरम
अनसुया साहू	ओड़िषा
गीता थापा	पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश एवं जम्मू–कश्मीर
मनीष शर्मा	पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश एवं जम्मू–कश्मीर
सहार हगीगत	राजस्थान
सोहेल रौहानी	राजस्थान
संजय मनगर	सिक्किम एवं दार्जिलिंग
रमेश कंनन	तमिलनाडु एवं पुदुचेरी
बामा भास्कर	तमिलनाडु एवं पुदुचेरी
कवि पांडियन	तमिलनाडु एवं पुदुचेरी
बिश्वजीत सिन्हा	त्रिपुरा
हेमलता सिंह	उत्तरप्रदेश, उत्तराखण्ड एवं दिल्ली
रागिनी राठौड़	उत्तरप्रदेश, उत्तराखण्ड एवं दिल्ली
ब्रजेश कुमार	उत्तरप्रदेश, उत्तराखण्ड एवं दिल्ली
छेदा लाल	उत्तरप्रदेश, उत्तराखण्ड एवं दिल्ली
दिलीप कुमार महातो	पश्चिम बंगाल
रविन्द्र नाथ टेंटो	पश्चिम बंगाल

Regd. No. DELHIN / 1966 / 04204 | Delhi Postal Regd No. DL (ND) 11/6036/2015-16-17
New Delhi P.S.O. | Licensed to post without pre-payment No. U (C)-52/2015-16-17

समुदायसमूह ने जन्मोत्सव कार्यक्रम आयोजित किये – सिवान्थगल, अयनावरम् और टी. नगर के बहाई केन्द्र में। अयनावरम् के कार्यक्रम दोनों दिन चलते रहे, मुख्य रूप से एक वीडियो प्रेजेन्टेशन आकर्षण का केन्द्र बना जिसे स्थानीय लोगों ने तैयार किया था। यहाँ विस्तार से इस बात पर चर्चा हुई कि मूलगतिविधियों का क्या महत्व है और किस प्रकार उन गतिविधियों से स्थानीय लोग लाभान्वित हो रहे हैं।



कांचीपुरम में आयोजित समारोह के मित्रगण

इस प्रकार पूरे तमिलनाडु में धूमधाम से युगल अवतार के जन्मोत्सव मनाये गये और अगले वर्ष के लिये एक खाका भी खींचा गया कि और भी बेहतर ढंग से कैसे आयोजन किये जायें।



चेन्नई में हुए समारोह में भाग लेने वाले मित्रगण

• **केरल** : कलपेट्आ समुदायसमूह के मुत्तील नामक स्थान में एक बहाई मित्र के घर पर जन्मोत्सव मनाया गया तो उत्तरी पारावुर के पल्लीपुरम समुदाय के मित्रों ने बहाई केन्द्र में समारोह आयोजित किया। एक अत्यन्त आध्यात्मिक वातावरण में पल्लीपुरम में पहले केक काटे गये। ससीन्द्र बाबू ने केक काटा और बहाई परिषद के अध्यक्ष ओ. हरीन्द्र ने वक्तव्य प्रस्तुत किया। दूसरे दिन के.के.गोपी ने बाब और बहाउल्लाह के जीवन और उद्देश्य के बारे में बतलाया और कहा कि सभी समस्याओं के समाधान बहाई धर्म देता है। वी.जी.शिजु ने बहाई समुदाय द्वारा दुनिया भर में चलायी जा रही उन चार मूल गतिविधियों के बारे में बतलाया जो व्यक्ति के आध्यात्मिक विकास के लिये संचालित की जा रही हैं। इससे पहले श्रीमती यमुना मित्रा ने अतिथियों का स्वागत किया और बदी गोपी के निर्देशन में समारोह के अंत में सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये गये। रंगीन बल्बों से बहाई केन्द्र को संवारा गया, शहर में बैनर लगाये गये और दूसरे दिन के अंत में रात्रि–भोज की व्यवस्था स्थानीय आध्यात्मिक सभा की ओर से की गई।

कन्नूर और चेम्पीलोड समुदायसमूहों द्वारा भी युगल अवतार के जन्मोत्सव धूमधाम से मनाये जाने की ख़बर मिली है। कन्नूर की आध्यात्मिक सभा ने वहाँ के बहाई भवन में पहले दिन एक जनसभा का आयोजन किया। बहाई भवन को सुरूचिपूर्ण ढंग से सजाया गया था। कार्यक्रम का उद्घाटन श्री पी.के.प्रेमाराजन ने किया और प्रमुख वक्ता थे जाने–माने लेखक श्री ई.एम. हाशिम। चेम्पीलोड समुदाय ने श्री ओ. हरीन्द्रन के निवास पर पड़ोसियों तथा अन्य पहचान के लोगों को आमंत्रित कर उत्सव मनाया।



कन्नूर में आयोजित समारोह के प्रतिभागी

मुंडेरी–कन्नूर समुदायसमूह के मुंडेरी में एक बहाई मित्र के निवास पर प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया और तीर्थयात्रा की पाती का अध्ययन किया गया। दूसरे दिन चित्रकला प्रतियोगिता और जनसभा का आयोजन किया गया। जनसभा में सहायक मंडल सदस्य श्री पी.के.बाबू मुख्य वक्ता थे, जिन्होंने बच्चों के आध्यात्मिक विकास में माता–पिता के दायित्व पर अपनी वार्ता केन्द्रित की।

कोच्चि के बहाई केन्द्र को इस अवसर पर सुरूचिपूर्ण ढंग से सजाया गया, बड़ी संख्या में लोगों को आमंत्रित किया गया लेकिन कार्यक्रम के समय भारी वर्षा हो जाने के कारण सभी आमंत्रित लोग नहीं आ सके। इसलिये बहाई मित्रों ने प्रार्थनाओं के बाद, मूलगतिविधियों की संख्या और गुणवत्ता बढ़ाने पर परामर्श किया, बच्चों ने गीत प्रस्तुत किये और कुछ मित्रों ने अपने पड़ोसियों, रिश्तेदारों और सहकर्मियों को दूसरे दिन अपने–अपने घरों पर रात्रिभोज के लिये आमंत्रित किया।



थनूर में आयोजित समारोह के प्रतिभागी

थनूर–थिरूर समुदायसमूह के थनूर और निरामरूथूर समुदायों की आध्यात्मिक सभाओं ने समुदायसमूह विकास समिति के सहयोग से जन्मोत्सव का आयोजन किया। दोनों समुदायों ने आयोजन में एक–दूसरे का सहयोग किया। थनूर के कार्यक्रम में वहाँ की आध्यात्मिक सभा के सचिव के.बाबू और मोहम्मद कोया वक्ता थे, जबकि निरामरूथूर के कार्यक्रम में एम.एम.जेन्सन तथा अन्य वक्ताओं ने बहाउल्लाह के अवतारीय स्थान के बारे में बतलाया। सी.पी. बालाकृष्णन दोनों जगह वक्ता थे।

• • •

कुल पृष्ठ संख्या–4

बहाई समाचारपत्र के स्वामित्व एवं अन्य विषयों से संबंधित फार्म – 4, नियम 8

समाचार का नाम : बहाई समाचारपत्र
रजि नं. : DELHIN / 1966 / 4204 यू नं. (C)-52/2015-16-17
डी.एल. DL (ND) 11/6036/2015-16-17
प्रकाशक का नाम : सुशील कुमार (भारतीय)
(बहाई भवन, 6 श्रीमंत माधव राव सिंधिया मार्ग, नई दिल्ली–1)
प्रकाशन स्थान : बहाई भवन, 6 श्रीमंत माधव राव सिंधिया मार्ग, नई दिल्ली–1

मुद्रक का नाम : सुशील कुमार (भारतीय)
बहाई भवन, 6 श्रीमंत माधव राव सिंधिया मार्ग, नई दिल्ली–1
मुद्रण स्थान : डोरा ऑफसेट, सी–54, ओखला इंडस्ट्रीयल इस्टेट, फेज़–1, नई दिल्ली–20
उन व्यक्तियों के नाम जो समाचारपत्र स्वामी हों : राष्ट्रीय आध्यात्मिक सभा को इसका स्वामित्व प्राप्त है, जो सोसायटीज़ एक्ट के अंतर्गत पंजीकृत है।

Licenced to post without Pre-Payment Posted at CPSO New Delhi on 10/11.01. 2017
Sender's Address:
6, Shrimant Madhavrao Scindia Marg,
New Delhi - 110 001 - INDIA

स्वामी, भारत के बहाईयों की राष्ट्रीय आध्यात्मिक सभा, जो सोसायटीज एक्ट के अंतर्गत पंजीकृत है, के लिए प्रकाशक, मुद्रक : सुशील कुमार के द्वारा डोरा ऑफसेट, सी–54, ओखला इंडस्ट्रीयल इस्टेट, फेज़–1, नई दिल्ली–110 020 से मुद्रित एवं बहाई भवन, 6 श्रीमंत माधव राव सिंधिया मार्ग, नई दिल्ली–110 001 से प्रकाशित (सम्पादक : सुशील कमार)